Regarding condition of Health Services in Rajasthan

श्री राजकुमार रोत (बांसवाड़ा) : सभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं । मैं आपका ध्यान अपने संसदीय लोक सभा क्षेत्र बांसवाड़ा-डूंगरपुर के एक विषय की तरफ आकर्षित कराना चाहूंगा । जिस तरह से वर्तमान में चिकित्सा व्यवस्था है और केंद्र सरकार की जो स्कीम्स हैं, उससे गरीब जनता को लाभ नहीं मिल रहा है । हमारे यहां के मेडिकल कॉलेज की व्यवस्था ठीक नहीं है । मैंने शून्य काल में यह विषय लगाया था ।

महोदय, मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि मेरे संसदीय क्षेत्र के अंदर 2 तारीख को एक गर्भवती महिल पीएचसी पर पहुंचती है । वहां के डॉक्टर और स्टाफ कह देते हैं कि यहां पर डिलीवरी नहीं करायी जाएगी । वह महिला वहीं दरवाजे पर तड़पती है और अपने बच्चे को जन्म देती है । वहां के स्टाफ उस महिला को अंदर नहीं ले जाते हैं । विभागीय अधिकारी वहां पर गए और उस डॉक्टर पर कुछ कार्रवाई करके खानापूर्ति कर दी ।

महोदय, उससे भी गंभीर बात है कि उसी पीएचसी पर अगले दिन बोर्ड लगा दिया गया कि यहां पर प्रसव सुविधा और इमरजेंसी सुविधा के लिए नहीं आएं । एक तरफ हम पूरे देश में महिलाओं के सम्मान की बात करते हैं ।? (व्यवधान)

माननीय सभापतिः राजकुमार जी, आप जो विषय उठा रहे हैं, वह स्टेट सब्जेक्ट है । केंद्र सरकार एनएचएम में पैसा देती है । आपकी क्या डिमांड है?

? (व्यवधान)

श्री राजकुमार रोत : महोदय, मैं अपने विषय पर आ रहा हूं । आज आयुष्मान भारत योजना चल रही है । गुजरात से सटा हुआ मेरा इलाका है । वहां पर मजदूरी करने के लिए लोग आते हैं । गुजरात के अंदर प्राइवेट हॉस्पिटल और सरकारी हॉस्पिटल है, लेकिन विशेष कर प्राइवेट हॉस्पिटल्स में इलाज के दौरान कुछ मरीजों की डेड हो जाती है । ऐसे कई इश्यूज आए हैं कि इलाज के दौरान मरीज की मृत्यु हो गई, लेकिन उनके परिजन डेथ बॉडी लेने के लिए दो-तीन दिनों तक तरसते हैं ।

माननीय सभापतिः आपकी मांग क्या है?

श्री राजकुमार रोत : महोदय, मेरी यही मांग है कि जो स्कीम्स हैं, वे कागजों पर तेजी से दौड़ रही हैं, लेकिन धरातल पर इम्प्लीमेंट नहीं हो रही हैं । मेरे यहां बांसवाड़ा और डुंगरपुर दोनों जगह मेडिकल कॉलेज है । मेडिकल कॉलेज में न्यूरोलॉजिस्ट नहीं है । वहां पर कार्डियोलॉजिस्ट नहीं है । उस मेडिकल कॉलेज में सोनोग्राफी नहीं हो पाती है । वहां की यही स्थिति बनी हुई है ।

महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि केंद्र सरकार के माध्यम से मेडिकल कॉलेजों में जो मूलभूत सुविधाएं होनी चाहिए, उन सुविधाओं को सरकार धरातल पर लागू करे । वहां जो फर्जीवाड़ा चल रहा है, चिकित्सा व्यवस्था को जिस तरह से निजीकरण करने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है, उस पर आप विशेष ध्यान दें और सरकारी व्यवस्था की सुधार की जाए । धन्यवाद ।

माननीय सभापति : इस बारे में आप स्टेट गवर्नमेंट के पास भी लिखिए ।